

26 सितंबर, 2022
आश्विन, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा
संवत् 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची

सोमवार, वर्ष 07, अंक 336

आजाद सिपाही



FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of : Haji Abdur Razzaque
Educational Society)
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)



CHHOTANAGPUR
PUBLIC SCHOOL
AFFILIATED TO CBSE
NEW DELHI
No.: 3430699
Opp. : P.H.E.D. Office,
Booty Road, Ranchi-834012

ADMISSION OPEN
FOR SESSION
2023-24
NURSERY to IXth
Separate Hostel Facility
For Boys & Girls
CONTACT NO. :
98359 36571
94311 06503
83405 81301

सात साल बाद सोनिया गांधी से एक साथ मिले लालू-नीतीश

बोले : भाजपा को हराने के लिए विपक्षी एकता जरूरी, 17 अक्टूबर के बाद फिर मिलेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता
नयी दिल्ली/ हिसार। बिहार के सीएम नीतीश कुमार और आरजेडी चीफ लालू यादव ने रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से उनके आवास पर मुलाकात की। यह मुलाकात करीब एक घंटे तक चली। मुलाकात के बाद नीतीश ने कहा कि हम देश में कई दलों को एकजुट करना चाहते हैं। सोनिया गांधी ने 17 अक्टूबर को कांग्रेस पार्टी का नया अध्यक्ष चुने जाने के बाद फिर से मिलने के लिए कहा है। लालू-नीतीश की सोनिया से मुलाकात सात साल बाद हुई है। 2015 में बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने के बाद नीतीश ने पटना के गांधी मैदान में सीएम पद की शपथ ली थी, जिसमें सोनिया भी शामिल हुई थीं।

सोनिया गांधी से मिलने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद सुप्रीमो लालू यादव ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान लालू यादव ने बीजेपी सरकार पर हमला बोला। लालू यादव ने कहा है कि बीजेपी को हटाना है, देश को बचाना है। सबको इकट्ठा होना है। जैसे बिहार में किया है, वैसे ही पूरे देश में करना है। सोनिया गांधी से हम लोगों ने कहा कि कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है। मैडम ने कहा है कि संगठन का चुनाव है। 12 दिन के बाद हम लोग मैडम से फिर से मिलेंगे। उसके बाद सब लोग बैठ कर बात करेंगे। देश तानाशाही की तरफ जा रहा है। गरीबी, बेरोजगारी से जनता परेशान है। विपक्षी नेताओं को जेल में बंद किया जा रहा है। हम लोग डरनेवाले नहीं हैं।



दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से उनके आवास पर मुलाकात के बाद लालू और नीतीश।

अभी कुछ कहना जल्दबाजी : नीतीश

वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सोनिया गांधी से हमारी और लालू जी की बात हुई है। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद का चुनाव है। संगठन के चुनाव के बाद हम लोग फिर से एक बार मिलेंगे। उसके बाद आगे की पूरी रणनीति तय होगी। उन्होंने कहा कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। इसके साथ ही बिहार के सीएम से जब पूछा गया कि पूर्णिया में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा है कि महागठबंधन की सरकार चलनेवाली नहीं है, इस पर नीतीश कुमार ने कहा कि जब हम लोग पूर्णिया में मीटिंग करेंगे, तो देख लीजियेगा।

मोदी के खिलाफ एकजुट नहीं हो पाया विपक्ष 10 राज्यों के 17 नेताओं को आना था, 5 ही पहुंचे

इससे पहले, रविवार देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की 109 वीं जयंती पर हरियाणा के फतेहाबाद में 'सम्मान दिवस रैली' हुई। रैली के लिए इनलो (इंडियन नेशनल लोकदल) प्रमुख ओम प्रकाश चौटाला ने नीतीश कुमार सहित 10 राज्यों के 17 नेताओं को निमंत्रण दिया था, लेकिन मंच पर 5 बड़े नेता ही दिखे। इनमें नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव, एनसीपी चीफ शरद पवार, एसएडी नेता सुखवीर सिंह बादल और सीपीआइ (एम) महासचिव सीताराम येचुरी शामिल थे। इनलो की रैली में नीतीश कुमार ने कांग्रेस सहित सभी दलों से एक साथ आने की अपील की। नीतीश ने कहा कि ऐसा होने के बाद भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में करारी शिकस्त मिलेगी। वहीं, तेजस्वी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए पूछा कि अब एनडीए कहाँ है? शिवसेना, अकाली दल, जदयू जैसे भाजपा सहयोगियों ने लोकतंत्र बचाने के लिए इसे छोड़ दिया है। इधर, सुखवीर सिंह बादल ने कहा कि यह नया गठबंधन बनाने के लिए साथ आने का समय है। बादल ने आगे कहा कि एसएडी, शिवसेना और जदयू ही असली एनडीए हैं, क्योंकि हमने इसकी स्थापना की थी। वहीं, शरद पवार ने कहा कि अब 2024 में सरकार बदलने का समय आ गया है।

झारखंड के पलामू में विवाहिता से गैंगरेप पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र के बकोरिया-भलवही गांव पहाड़ी के समीप 22 वर्षीया विवाहिता के साथ छह लोगों द्वारा गैंगरेप का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए इसमें शामिल बकोरिया गांव के भोला राम और धर्मदराम को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना में शामिल शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी कर रही है। पीड़ित महिला को मेडिकल जांच के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर भेज दिया गया है।

ससुराल से मायके आने के दौरान सामूहिक दुष्कर्म : पीड़िता के परिजनों ने सतबरवा थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार राय

को बताया कि शनिवार को रात्रि पीड़िता पाटन थाना क्षेत्र के सुटा से अपनी ससुराल से पैदल अपने मायके मनिता थाना के रेवत गांव जा रही थी। बताया जाता है कि परिवार के लोगों से झगड़ा होने के कारण पीड़िता पैदल ही अपने मायके जा रही थी। शाम होने के कारण ससुराल के लोग उसे घर ले जाने के लिए तुंबागड़ा तक आये थे, लेकिन महिला ससुराल नहीं जाने की जिद पर अड़ी हुई थी। उसकी नाराजगी को देखते हुए परिजनों ने उसे अपने पति के साथ जाने को कहा। इसी क्रम में पीड़िता के पति ने अपने साढ़ के भाई को बाइक से ससुराल तक छोड़ने के लिए बुलाया था।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी : बताया जाता है कि रात्रि में आरोपियों ने इन दोनों

को पकड़ लिया। उसके पति से मोबाइल तथा बाइक छीनकर मारपीट की। पीड़िता के पति को कुछ दूर ले जाकर रखा था। घटना के बाद आरोपी महिला को बाइक पर बैठा कर दूसरी जगह ले जा रहे थे। इसी क्रम में मनिता थाना क्षेत्र के सधवाडीह गांव की ओर से बोलरो देखते ही महिला चिल्लाने लगी। इससे बाइक असंतुलित होकर गिर पड़ी। हल्ला सुन कर ग्रामीण जमा हो गये और दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। मारपीट होते देख आरोपी उसके पति को छोड़ कर फरार हो गये। पीड़िता का पति किसी तरह रात्रि में ही मनिता थाना पहुंचा और घटना की जानकारी दी। पुलिस शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है।

बहन से छेड़छाड़ का भाइयों ने किया विरोध, तो दबंगों ने की एक की हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

गोड्डा। झारखंड के गोड्डा में बहन से हो रही छेड़छाड़ का दो भाइयों ने विरोध किया। इस पर दबंगों ने उन पर हमला कर दिया। दोनों भाइयों को जम कर पीटा। एक भाई की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि दूसरा भाई घटनास्थल से कुछ दूर घायल अवस्था में मिला। मृतक का नाम सुनील कुमार मंडल है। घटना नगर थाना क्षेत्र के पुनसिया गांव की है।

जानकारी के मुताबिक सुनील और अनिल की बहन के साथ पड़ोस के गांव का रहने वाला

प्रकाश मंडल अक्सर छेड़छाड़ी करता था। इसकी शिकायत बहन ने अपने दोनों भाइयों से की। इसके बाद सुनील कुमार और बड़ा भाई अनिल आरोपी को समझाने गये।

बेरहमी से की पिटाई

दोनों भाइयों पर आरोपी प्रकाश ने अपने साथियों के साथ मिलकर हमला कर दिया और बुरी तरह पीटा। अधिक चोट लगने की वजह से सुनील की मौके पर ही मौत हो गयी। मृतक के छोटे-छोटे दो बच्चे हैं। अनिल को आरोपी

किडनैप कर साथ ले गये। आरोपियों ने अनिल को भी बुरी तरह पीटा। इस घटना की सूचना पुलिस को दी गयी। इसके बाद पुलिस ने खानबनी की, तो अनिल को घायल अवस्था में रामगढ़ रोड की एक झाड़ी से बरामद किया गया। उसकी भी स्थिति गंभीर बतायी जा रही है।

मामले में पुलिस का कहना है कि वारदात की शिकायत मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसमें दोषी पाये जाने पर आरोपियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी।

साढ़े 8 घंटे बाद माने प्रदर्शनकारी, अलकनंदा के घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

उत्तराखंड की बेटा अंकिता को आखिरी विदाई

आजाद सिपाही संवाददाता
ऋषिकेश/श्रीनगर। उत्तराखंड के श्रीनगर में साढ़े 8 घंटे चले प्रदर्शन के बाद रविवार को अंकिता भंडारी का अंतिम संस्कार कर दिया गया। पहले परिवार ने डिटेल्ड पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सावर्जनिक करने की मांग कर अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया था। बाद में प्रशासन के समझाने पर परिवार राजी हो गया। सुबह 9 बजे से लोग हाथ में अंकिता की फोटो लेकर ऋषिकेश-बद्रीनाथ हाइवे पर आ गये और रोड जाम कर प्रदर्शन कर रहे थे। शव को मॉर्चुरी से स्पेशल

ले जाते वक्त भी प्रदर्शनकारियों ने एंबुलेंस रोकने की कोशिश की। एक महिला एंबुलेंस के सामने लेट गयी। उसे पुलिस ने हटाया। बाद में अंकिता के पिता ने मॉर्चुरी के बाहर जमा लोगों से भावुक अपील की, जिसके बाद भीड़ छंटने लगी। अंतिम संस्कार अलकनंदा नदी किनारे एनआइटी घाट पर किया गया।

फास्ट ट्रेक कोर्ट में होगी अंकिता मर्डर केस की सुनवाई : पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, अंकिता की मौत पानी में डूबने से हुई। धक्का देने से पहले उसे किसी भारी चीज से पीटा गया।



उसके शरीर पर चोट के निशान भी मिले। रिपोर्ट में सेक्सुअल एब्यूज या रेप का जिक्र नहीं है। इधर, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि केस की सुनवाई फास्ट ट्रेक कोर्ट में होगी।

अंकिता के वॉट्सएप चैट की जांच होगी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंकिता मर्डर केस की जांच के लिए एसआइटी बनायी थी। इसकी इंवाजं डीआइजी पी रेणुका देवी ने रविवार को बताया कि आरोपी पुलकित आर्य के रिसॉर्ट में काम करने वाले सभी लोगों से कड़ी पूछताछ की जा रही है। इस बात की भी जांच हो रही है कि पुलकित के रिसॉर्ट को लाइसेंस कैसे मिला और वह कैसे संचालित होता था। डीआइजी ने कहा कि अंकिता की वॉट्सएप चैट की भी जांच की जायेगी।

पिता का सवाल- रिसॉर्ट में सबूत थे, तोड़ा क्यों

ऋषिकेश में अंकिता के पिता वीरेंद्र भंडारी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'जिस रिसॉर्ट में सबूत थे, प्रशासन ने उसे बुलडोजर से क्यों तोड़ा? ऐसा करके सबूत मिटाये गये हैं।' रिपोर्टर ने जब जिले के डीएम विवेक जोगदंडे से इस बारे में सवाल किया तो उन्होंने साफ कहा- रिसॉर्ट पर बुलडोजर चलाने का आदेश किसने दिया, इसकी जांच की जा रही है।

गिरिडीह केंद्रीय कारा के अधीक्षक से दो करोड़ की मांगी रंगदारी, नहीं देने पर जान मारने की धमकी

आजाद सिपाही संवाददाता
गिरिडीह। केंद्रीय कारा गिरिडीह के अधीक्षक अनिमेष कुमार चौधरी से दो करोड़ रुपये रंगदारी मांगी गयी है। रंगदारी नहीं देने पर जान मारने की धमकी दी गयी है। वॉट्सएप कॉल और मैसेज के जरिए जेल अधीक्षक को यह धमकी दी गयी है। यह धमकी कुछ दिन पूर्व जेल अधीक्षक के सरकारी वाहन पर सवार प्रभारी कारापाल प्रमोद कुमार सिंह पर हुई गोलीबारी मामले में केंद्रीय कारा गिरिडीह में बंद आशीष कुमार साह को गैर कानूनी सुविधाएं नहीं देने से जुड़ा हुआ है। आशीष 04

सितंबर से गिरिडीह जेल में है। धमकी मिलने के बाद जेल अधीक्षक द्वारा इस संबंध में गिरिडीह एंव बोकारो एसपी को भी सूचना दे दी गयी है। साथ ही अधीक्षक की शिकायत पर प्राथमिकी भी दर्ज कर ली गयी है। पुलिस मामले की तपतीश में जुट गयी है। हालांकि मामले में अभी पुलिस कुछ नहीं बोल रही है।

व्हाट्सएप कॉल नहीं उठाने पर आया मैसेज : बताया जाता है कि अधीक्षक के मोबाइल पर अज्ञात नंबर से पहले दो बार व्हाट्सएप कॉल आया। इन दोनों कॉल को अधीक्षक किसी कारणवश नहीं



उठा पाये। इसके बाद उन्हें उसी अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप मैसेज आया। मैसेज में कई आपत्तिजनक बातें लिखी हुई थीं। इसके अलावा दो करोड़ रुपये की मांग की गयी

थी और नहीं देने पर जान मारने की धमकी दी गयी थी। मैसेज भेजनेवाले ने अपना नाम मयंक सिंह लिखा था। मैसेज करनेवाले ने थोड़ी देर बाद मैसेज को डिलीट भी कर दिया था।

मैसेज के बाद फिर व्हाट्सएप कॉल से दी धमकी : बताया जाता है कि मैसेज के बाद पुनः अधीक्षक को उसी अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप कॉल से धमकी दी गयी। अधीक्षक को कॉल करनेवाले ने गिरिडीह केंद्रीय कारा के सेल में सुरक्षात्मक कारणों से बंद बंदी आशीष कुमार साह को सेल से नहीं निकालने एवं अन्य

गैर कानूनी सुविधाएं नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी तथा रुपए की मांग की गयी।

गिरिडीह केंद्रीय कारा अधीक्षक बोले : प्राथमिकी दर्ज करा दी है गिरिडीह केंद्रीय कारा अधीक्षक अनिमेष कुमार चौधरी ने कहा कि धमकी को लेकर प्राथमिकी दर्ज करा दी गयी है। जेल में बंद कुछ लोग गैर कानूनी सुविधाएं चाहते हैं। नहीं मिलने पर उनके द्वारा इस तरह की धमकी दी जाती है। वे नौकरी करते हैं और दी गयी जिम्मेवारी को सही तरीके से निभाने का प्रयत्न करते हैं। किसी से उनकी कोई अदावत नहीं है।

Deals in :
All types of CP Bath fitting,
Pumps, Sanitaryware,
Pipes & fitting

YASH ENTERPRISES

J.J. Road, Beside, Deepak Trading, Upper Bazar, Ranchi-01
Ratan Prasad
Mob. : 9835901322, 9709082614



जिसने भारत पर आंखें तरेरी, आज उसकी बर्बादी विश्व देख रहा है

अपने ही बिछाये जाल में फंसता जा रहा है चीन और पाकिस्तान की कमीज उतरनी सिर्फ बाकी है

■ भारत की मजूबती देखनी है, ■ आठ में से पांच पड़ोसियों की स्थिति पूरी तरह बेहाल ■ श्रीलंका तो पहले ही नंगा हो गया, अफगानिस्तान पर दया आने लगी है

भारत दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण देश तो है ही, अब समूचे विश्व में एक ऐसी ताकत के तौर पर उभरा है, जिसको वैश्विक शक्तियां नजरअंदाज नहीं कर सकती। भारत का महत्व इससे और भी बढ़ गया है कि रूस जैसे मित्र देश? ने भी यूक्रेन युद्ध के मामले पर भारत की मध्यस्थता को खुले दिल से स्वीकार कर लिया है। भारत की सीमाएं अफगानिस्तान, पाकिस्तान, नेपाल, चीन, भूटान, म्यांमार, बांग्लादेश तथा समुद्री सीमा मालदीव से मिलती हैं। किसी भी देश के लिए अपनी कूटनीतिक क्षमता को बढ़ाने के लिए पड़ोस को सुव्यवस्थित करना अनिवार्य है। लेकिन भारत का

पड़ोस पूरी तरह अस्थिर हो गया है। अगर यह कहा जाये कि जिन-जिन पड़ोसियों ने भारत को आंखें तरेरी, साजिश रची, वे सभी बुरे दौर से गुजर रहे हैं। अपनी साम्राज्यवादी नीतियों के कारण चीन लगातार अपने ही बुने जाल में फंसता जा रहा है, जबकि पांच अन्य पड़ोसियों की हालत बेहाल है। पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल और अफगानिस्तान आज चीन

द्वारा बिछाये गये जाल में फंस कर छटपटा रहे हैं, जबकि भारत मजूबती के साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक के साथ-साथ देशवासियों का देश को आगे ले जाने के संकल्प को जाता है। पिछले आठ साल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपनी पड़ोस नीति में गुणात्मक परिवर्तन किया है। भारत द्वारा पड़ोसी देशों में लोकतांत्रिक

शक्तियों को नैतिक सहायता दी गयी। इसके बावजूद चीन और उसकी शह पर पाकिस्तान लगातार छद्म युद्ध के रूप में भारत में आतंकवाद को प्रोत्साहित कर रहा है। चीन लगातार भारत की क्षेत्रीय अखंडता को विघटित करने का प्रयास करता रहा है, लेकिन अब भारत चीन से आंखें मिलना कर बात कर रहा है, आंखें झुका कर नहीं। पाकिस्तान और चीन के रूख की ओर देखते हुए भारत ने अब पड़ोसी देशों को सुव्यवस्थित करना शुरू कर दिया है। भारत की इस कूटनीतिक ताकत का विश्लेषण कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बारे में उड़ रही अफवाहों के बीच अब इस बात की चर्चा होने लगी है कि भारत अपने पड़ोसियों के मुकाबले इतना स्थिर और निरापद क्यों है। क्या यह भारत की विविधता और उसकी संवैधानिक संस्थाओं के ताकतवर होने का परिणाम है या फिर भारत का मजबूत नेतृत्व इसके लिए जिम्मेदार है। इस सवाल का जवाब तलाशने के लिए कुछ दिन पहले भारत के एक पड़ोसी श्रीलंका की स्थिति पर विचार करना होगा। यह तो सभी जानते हैं कि श्रीलंका के नाम से अब श्री हट चुका है। एक संप्रभु देश किस तरह मुफ्तखोरी और कर्ज लेकर घी पीने की आदत के कारण बर्बादी के कगार पर पहुंच गया, यह पूरी दुनिया ने देखा है। सवाल यह है कि यह हुआ कैसे। दरअसल श्रीलंका का नेतृत्व चीन द्वारा बिछाये गये जाल में पेशा फंसा कि उससे निकलने के लिए वह जितना भी हाथ-पैर मारता, फंदा कसता गया। सच कहा जाये, तो चीन ने अपने वर्चस्व को साबित करने के लिए श्रीलंका की पूरी तरह अपने जाल में फांस लिया। उसकी चाल थी कि वह

श्रीलंका के कंधे पर बंदूक रख कर भारत पर गोली दागे। क्योंकि चीन इसमें विश्वास करता है कि पड़ोस की बदहाली का असर पड़ोसी देश पर पड़ता है, लेकिन श्रीलंका का कोई असर भारत में दिखाई नहीं दिया। यहाँ से असली कहानी शुरू होती है। चीन के बारे में जो अफवाहें फैल रही हैं और शी जिनपिंग जिस तरह परिदृश्य से गायब बताये जा रहे हैं, उससे यह धारणा जोर पकड़ने लगी है कि चीन भी तेजी से बर्बादी की ओर आगे बढ़ रहा है। अपनी साम्राज्यवादी नीतियों और हथियारों के बल पर दुनिया पर शासन करने के उसके सपने ने उसकी कमर तोड़ कर रख दी है। चीन की इस हालत के बाद भारत के दूसरे पड़ोसी देशों को अब आभास हो जाना चाहिए कि भारत एक सच्चा साथी है, जो बिना भेदभाव के उदार मन से उनकी यथासंभव मदद करता है। अस्थिर पड़ोसी देशों के लोकतांत्रिक सशक्तिकरण के लिए भारत तैयार भी है।

लेकिन क्या यह महज एक दुर्भाग्य ही है कि पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, और म्यांमार फिलहाल राजनीतिक एवं आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहे हैं। अगर हम पिछले कुछ वर्षों का जायजा लें, तो मालदीव और नेपाल भी कई बार राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता के शिकार रहे हैं। भारत के इन सभी पड़ोसी देशों को नाजुक देश कहना ज्यादा उचित होगा। यहाँ तक की ईरान में भी अब विरोध के स्वर गूँजने लगे हैं। वहाँ की महिलाएं



मोदी का प्रयास और भारतवासियों के संकल्प से आगे बढ़ रहा देश

अब वहाँ के शासन के खिलाफ सड़क पर उतर चुकी हैं। हिजाब नहीं पहनने पर वहाँ के शासन ने एक युवती पर ऐसे जुल्म डये कि उसकी मौत हो गयी। इस घटना ने पूरे ईरान की महिलाओं को झकझोर कर रख दिया है। जिस हिजाब पर इरान में राजनीति होती थी, अब उसको ही वहाँ की महिलाओं ने उतार कर फेंकना शुरू कर दिया है। महिलाएं वहाँ शासन के खिलाफ तन कर खड़ी हो गयी हैं। चलिए पाकिस्तान की ही बात कर लेते हैं। उसकी आर्थिक स्थिति ऐसी है कि उसकी इज्जत महज एक फटी हुई कमीज से ढकी हुई है। विश्व में उसे भिखमंगा की संज्ञा से जाना जाने लगा है। यह देश कई देशों के सामने हाथ फैलाते हुए दिख कर रहा है। इनकी हालत ऐसी है कि इन्हें कर्ज का इंटरेस्ट देने के लिए भी कर्ज लेना पड़ता है। पाकिस्तान

आर्थिक रूप से ध्वस्त हो चुका है। कभी भी वहाँ भूचाल आ सकता है। उसकी स्थिति देख कर साफ हो जायेगा कि भारत क्यों एक स्थिर लोकतंत्र और बेहतर शासित देश बना, जबकि पाकिस्तान सैन्य तानाशाही और सामाजिक और आर्थिक अस्थिरता के दुष्क्रम से फंसा रहा? दरअसल भारत के विभाजन की मांग और एक नये राष्ट्र पाकिस्तान को केवल इस्लाम के आधार पर खड़ा करना बुनियादी भूल थी। पाकिस्तान में राष्ट्र निर्माण नहीं हो सका, क्योंकि उसका अस्तित्व ही कृत्रिम और अस्वाभाविक था। वहाँ की सरकार की नीति हमेशा से यही रही कि भले ही खाने को अनाज न हो, लेकिन भारत से लड़ने के लिए हथियार चाहिए। इसी नीति ने पाकिस्तान को चीन और अमेरिका के साथ खिलवाड़ करने से भी परहेज नहीं करते, क्योंकि वहाँ लोकतांत्रिक संस्थानों को पवित्र

उपनिवेश समझ कर शोषण किया और उनकी बंदौलत दक्षिण एशिया में भारत के विरुद्ध मोर्चा खड़ा करने की योजना बनायी। चीन ने इन देशों में कर्ज का जाल बिछाया, लेकिन आज जब वे देश वित्तीय संकट में हैं, तब उनकी मदद करने के उत्तरदायित्व से उसने चालाकी से हाथ पीछे खींच लिये। इसके विपरीत भारत में पूरी तरह स्थिरता है, राजनीतिक और आर्थिक भी। यह इसलिए है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपनी कूटनीति को सच्चे अर्थों में ग्लोबल बनाये रखा। उसने कभी अपने पड़ोसियों पर धौंस नहीं दिखायी, लेकिन कभी धौंस में आया भी नहीं। जैसे को तैसा की तर्ज पर भारत ने बता दिया कि न्यू इंडिया में बहुत कुछ बदल चुका है। यह सही है कि यह सब इतना आसान नहीं है, लेकिन भारत ने यह कर दिखाया है। भारत आज अगर शान से खड़ा है, तो इसके दो प्रमुख कारण हैं। पहला यह कि हथियार के सौदागर देशों के चंगुल में न फंसने के लिए भारत ने आत्मनिर्भरता का रास्ता चुना। उसने स्वदेशी हथियारों के इस्तेमाल का संकल्प लिया। इससे फायदा यह हुआ कि हथियारों की खरीद में भारी-भरकम ढलाली की रकम बच गयी और हथियार भी हम मुताबिक तैयार होने लगे। इन हथियारों की गुणवत्ता से विश्व भी वाकिफ हो गया और अब तो अमेरिका तक भारत से हथियार खरीदना चाहता है। दूसरा कोरोना महामारी में जिस तरह अमेरिका से लेकर चीन तक ने अपने हाथ खड़े कर लिये। अपने लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया। महामारी का इलाज करने के बजाय चीन ने उसे दबाने का प्रयास किया, उसका दुष्परिणाम यह हुआ कि वहाँ जमाखोरी को पनाह मिल गयी। लोगों की जेब कटी और जमाखोर मोटे हो गये, दूसरी तरफ देश के प्रधानमंत्री ने कोरोना काल में जिस संकल्पबद्धता के साथ कार्य किया, उसका परिणाम यह हुआ कि कोरोना महामारी में लाखों लोगों की नौकरी छूटने के बाद उन्हें भूखों मरने की नौबत नहीं आयी। भारत सरकार ने देश के 80 फीसदी लोगों को मुफ्त में अनाज दिया, साथ में दवा फ्री। खाना और दवा फ्री मिलने से हमारा देश जमाखोरों के चंगुल में नहीं फंसा। अगर मुफ्त में अनाज और कोरोना का दवा नहीं दी गयी होती, तो देश के जमाखोर गरीबों की जेब में डाका डाल चुके होते और देशवासी मौत और कर्ज के जाल में समा गये होते। सच कहा जाये तो मोदी के विजय के कारण कोरोना जैसी महामारी की मौत हो गयी। आज जो लोग राजनीति चमकाने की खातिर देश में महंगाई को मुद्दा बना रहे हैं, वे यह भूल जाते हैं कि आज भी हमारे देश में गरीबों के लिए बहुत सारी योजनाएं फ्री में चल रही हैं। राज्य सरकारों से लेकर केंद्र सरकार तक सॉलिडिटी में अनाज, पानी, बिजली आदि सुविधाएं दे रही हैं। इसका असर यह है कि इक्का-दुक्का अपवाद को छोड़ दिया जाये, तो भूख से मरनेवालों की संख्या नहीं के बराबर है। यह भारत के नेतृत्व और देशवासियों के संकल्प के कारण संभव हुआ है। भारत की मजूबती का मूल मंत्र है हम भूख से किसी को नहीं मरने देंगे। यह केंद्र से लेकर राज्य सरकारों तक संकल्प तो है ही, हर देशवासी भी इस मूलमंत्र को आत्मसात कर रहा है। कोई भी व्यक्ति किसी को भूख से मरते देखा नहीं चाहता। यही है भारत के आगे बढ़ने का राज।

पूर्व मंत्री योगेन्द्र साव निकले जेल से बाहर पिता को लेने केंद्रीय कारा पहुंची थीं अंबा



आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। हजारीबाग के बड़कागांव हिंसा मामले में रांची के होटवार जेल में बंद पूर्व मंत्री योगेन्द्र साव रविवार को बाहर निकले। पूर्व मंत्री योगेन्द्र साव को झारखंड हाइ कोर्ट से जमानत मिली थी। हाइकोर्ट के जस्टिस आर मुखोपाध्याय और जस्टिस अंबुजनाथ की खंडपीठ ने योगेन्द्र साव को जमानत की सुविधा प्रदान की थी। योगेन्द्र साव के जेल से बाहर निकलने की सूचना पर बड़ी संख्या में समर्थक जेल के बाहर जुटा गये थे। योगेन्द्र साव की विधायक बेटी अंबा प्रसाद खुद पिता को लेने के लिए जेल पहुंची थीं। जेल से निकलने के बाद कारों के काफिले के साथ योगेन्द्र साव हजारीबाग चले गये। बता दें कि योगेन्द्र साव की पत्नी और विधायक अंबा प्रसाद की मां निर्मला देवी अभी भी जेल में ही बंद हैं। बता दें कि एनटीपीसी के जमीन अधिग्रहण के खिलाफ चिरुडीह में प्रदर्शन के दौरान हुई गोलीबारी मामले में निचली अदालत ने योगेन्द्र साव को दस साल की सजा सुनायी है। उक्त आदेश के खिलाफ उनकी ओर से हाइकोर्ट में अपील दखिल की गयी थी। इसी दौरान उनकी ओर से अदालत से जमानत दिलाने की गुहार लगायी गयी थी।

मोरहाबादी में दिनदहाड़े जनवरी में की थी कालू लामा की हत्या मुख्य आरोपी सोनू शर्मा गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। अपराधी कालू लामा की बीते 27 जनवरी को लालपुर थाना क्षेत्र के वीआइपी एरिया मोरहाबादी मैदान में गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी। इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी लव कुश शर्मा का भाई सोनू शर्मा को रांची पुलिस ने चतरा से गिरफ्तार किया है। एसएसपी किशोर कौशल को गुप्त सूचना मिली थी कि सोनू शर्मा अपने सहयोगियों के साथ चतरा और गया जिले की सीमा पर स्थित हंटरगंज में शराब पीने आया हुआ है। मिली सूचना के आधार पर चतरा पुलिस के सहयोग से रांची पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए सोनू शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। सोनू शर्मा की



रांची पुलिस को तीन मामलों में तलाश थी।
आपसी गैंगवार में मारा गया था कालू लामा : अपराधी लवकुश शर्मा और कालू लामा गिरोह के बीच हुए गैंगवार में कालू लामा मारा गया था, जबकि उसका भाई राजू और एक और युवक शुभम

लवकुश शर्मा ने उसके साथ मिल कर काम करने का ऑफर दिया था। दोनों के बीच एक साथ काम करने को लेकर मीटिंग भी हुई थी, लेकिन कालू लामा ने लवकुश की बात मानने से इनकार कर दिया था।
सोनू शर्मा को डर था कि कालू लामा उसकी हत्या कर देगा : लवकुश शर्मा का भाई सोनू शर्मा इस बात को लेकर घबराते लगा था कि कहीं कालू लामा उसकी हत्या न करा दे। इसके बाद दोनों भाइयों ने बिहार से शूटर बुला कर घटना को अंजाम दिया। दोनों गिरोह के बीच एदलहात में एक जमीन को लेकर विवाद चल रहा था, जिसके बाद सोनू शर्मा ने कालू लामा की गोली मार कर हत्या कर दी।

अर्जुन मुंडा की पहल पर नेशनल गेम्स में भाग लेने हवाई जहाज से गुजरात जायेगी तीरंदाजी टीम

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की पहल पर झारखंड की तीरंदाजी टीम हवाई जहाज से गुजरात जायेगी। गुजरात में नेशनल गेम्स का आयोजन होना है। पिछले कुछ दिनों से ट्रेनों के लेट चलने के कारण तीरंदाजी टीम का समय पर गुजरात पहुंचने में होने वाली समस्या को देखते 24 सदस्यीय तीरंदाजी टीम को हवाई जहाज से भेजने की व्यवस्था अर्जुन मुंडा के स्तर से की

गयी है। अब 28 सितंबर को अहमदाबाद में 8 अक्टूबर तक चलने वाले नेशनल गेम्स में शामिल होने टीम जहाज से रांची से रवाना होगी। टीम को भेजने के इंतजाम के साथ ही अर्जुन मुंडा ने झारखंड

रघुवर सरकार में बंद हुए 5600 स्कूल फिर खुलेंगे

कैबिनेट में प्रस्ताव लायेगी हेमंत सरकार

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। रघुवर सरकार के शासन काल में झारखंड में विलय हुए 5600 स्कूलों को फिर से खोला जायेगा। इन स्कूलों को खोलने की तैयारी अंतिम चरण में है। बंद हुए 5600 स्कूल जहाँ के भवन जर्जर हैं, उन्हें नहीं खोला जायेगा, जबकि अन्य स्कूलों में पढ़ाई फिर से शुरू की जायेगी। संबंधित स्कूल में जो शिक्षक कार्यरत थे, उन्हें दूसरे स्कूलों से वापस लाकर प्रस्थापित किया जायेगा। वहीं, पोषक क्षेत्र में आने वाले बच्चों को इसी स्कूल में पढ़ाया जायेगा। राज्य सरकार इसका प्रस्ताव कैबिनेट की बैठक में लाने की तैयारी कर रही है। शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने पिछले महीने ही शिक्षा सचिव से इसकी जिलावार रिपोर्ट तलब की थी। हालांकि शिक्षा मंत्री को अभी रिपोर्ट नहीं मिली है, कारण सभी जिलों से अंतिम रिपोर्ट नहीं आयी है। सभी जिलों की रिपोर्ट भेजने के लिए अगले सप्ताह तक का समय दिया गया है। अक्टूबर में दुर्गा पूजा के बाद इसे खोलने की

महिला खिलाड़ियों का यौन शोषण

बलात्कार और यौन शोषण की बुराई समाज के हर क्षेत्र में फैलती जा रही है तथा खेल संस्थानों में भी पदाधिकारियों व कोचों द्वारा बलात्कार, यौन शोषण व उत्पीड़न की शिकायतें आम हो गई हैं। हाल ही में भरतपुर में 'मलखंब' की महिला खिलाड़ियों के कथित शारीरिक उत्पीड़न की घटना सामने आयी है। यहां एकेडमी संभाल रहे 'मलखंब फेडरेशन ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष रमेश इंदोलिया के विरुद्ध 7 नाबालिग लड़कियों और एक युवक ने शारीरिक उत्पीड़न की शिकायत 'दिल्ली मलखंब फेडरेशन' में की है। रमेश इंदोलिया के विरुद्ध इस वर्ष मई-जून में शिकायतों का दौर शुरू हुआ था तथा 18 सितंबर को दिल्ली में 'मलखंब फेडरेशन' की एक बैठक में यह मुद्दा उठने के बाद रमेश इंदोलिया ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। इस शर्मनाक एवं सनसनीखेज मामले के सामने आने के बाद 'मलखंब फेडरेशन' ने सभी शिकायतों को लेकर एक जांच कमेटी का गठन कर दिया है, जबकि भारतीय खेल प्राधिकरण ने इस संबंध में कठोर रवैया अपनाते हुए फेडरेशन के सभी वित्तीय अनुदान रोक दिये हैं। साथ ही पूरे मामले की जांच होने तक 'मलखंब फेडरेशन' आफ इंडिया की मान्यता भी वापस ले ली है। इस घटनाक्रम पर रमेश इंदोलिया का कहना है कि सभी आरोप झूठे हैं। बताया जा रहा है कि शिकायत करने वाली सभी लड़कियां राजस्थान के अलग-अलग जिलों की हैं। हालांकि इस पूरे मामले में अभी तक पुलिस में एफआइआर दर्ज होने की भी कोई जानकारी नहीं है। इससे पहले भी महिला खिलाड़ियों

खिलाड़ियों के अनुसार उनका इस तरह का शोषण कई वर्षों से होता आ रहा है और खेलों में 'गुरु' कहलाने वाले कोचों के ऐसे कई मामले सामने आये हैं, जहां एक महिला खिलाड़ी का गुरु ही उस पर बुरी नजर डालता पाया गया।

के साथ आपत्तिजनक व्यवहार की शिकायतें आती रही हैं। कुछ ही महीने पहले तमिलनाडु में महिला खिलाड़ियों ने प्रसिद्ध खेल कोच पी नागराजन के विरुद्ध यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये थे। खिलाड़ियों के अनुसार उनका इस तरह का शोषण कई वर्षों से होता आ रहा है और खेलों में 'गुरु' कहलाने वाले कोचों के ऐसे कई मामले सामने आये हैं, जहां एक महिला खिलाड़ी का गुरु ही उस पर बुरी नजर डालता पाया गया, परंतु कई बार सबूतों के अभाव में केस दबा दिये गये। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के ऑलिंपिक संघ के महासचिव आनंदेश्वर पांडे पर सशस्त्र सीमा बल की पूर्व राष्ट्रीय हैडबाल खिलाड़ी ने बलात्कार के प्रयास का आरोप लगाया है और इस संबंध में राजस्थान के भिवाड़ी थाने में उनके विरुद्ध एफआइआर दर्ज भी की गयी है। एफआइआर के अनुसार आनंदेश्वर ने दावा किया था कि उन्होंने बहुत सी लड़कियों को इंटरनेशनल प्लेयर बना दिया है। खिलाड़ी ने आरोप लगाया कि आनंदेश्वर पांडे ने उसे भी राष्ट्रीय से अंतर्राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाने के लिए 2 साल तक शारीरिक संबंध बनाने की शर्त रखी थी और लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में लगे स्पेशल ट्रेनिंग कैंप के दौरान उसका बलात्कार करने की कोशिश की थी।

अभिमत आजाद सिपाही



अर्जुन मुंडा

'सेवा परमो धर्म:' समाज के अतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। इस विचार को आगे बढ़ा कर यथार्थ कर दिखाने वाले देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सबके हृदय में अपने लिए एक विशेष स्थान बनाया है। उत्तर प्रदेश के कुंभ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सफाई कमियों के पांव धोकर कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया। यह देश के इतिहास में पहली बार हुआ होगा कि देश का कोई प्रधानमंत्री जमीन पर बैठकर समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति को कुर्सी में बैठा कर उनका पांव धो रहा हो। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'हर व्यक्ति के जीवन में अनेक ऐसे पल आते हैं, जो अविस्मरणीय होते हैं। आज ऐसा ही एक पल मेरे जीवन में आया है, जिन स्वच्छग्रहियों के पैर मैंने धोये हैं, वह पल जीवन भर मेरे साथ रहेगा।' प्रधानमंत्री के इस रूप को देख पूरा देश हतप्रद और भावुक हो गया। जब इस तरह के सेवाभाव वाला व्यक्ति आपका नेतृत्व कर रहा हो तो सभी में यह भाव जागृत होना स्वाभाविक ही है। आज देश के हर नागरिक का अटूट विश्वास नरेंद्र मोदी के साथ है। भारतीय संस्कृति के संवाहक के रूप में उनके द्वारा गरीब कल्याण, सुशासन, विकास, राष्ट्र सुरक्षा व ऐतिहासिक सुधारों के लिए किये गए कार्यों की अमिट छाप जन-जन के हृदय में समाई है। उनके करिश्माई नेतृत्व में भारत पुनः विश्व गुरु के रूप में उभर रहा है, यही वजह है कि वह दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय जन-नेता हैं, जिनका पूरी दुनिया सम्मान करती है। आजादी के बाद

पीएम नरेंद्र मोदी का संकल्प जनजातीय समाज को अल्प विकसित वर्गों के बराबर लाना है।

आज देश के हर नागरिक का अटूट विश्वास मोदी जी के साथ है। भारतीय संस्कृति के संवाहक के रूप में उनके द्वारा गरीब कल्याण, सुशासन, विकास, राष्ट्र सुरक्षा व ऐतिहासिक सुधारों के लिए किये गए कार्यों की अमिट छाप जन-जन के हृदय में समाई है। उनके करिश्माई नेतृत्व में भारत पुनः विश्व गुरु के रूप में उभर रहा है, यही वजह है कि वह दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय जन-नेता हैं, जिनका पूरी दुनिया सम्मान करती है।

'सेवा परमो धर्म:' के विचार को यथार्थ करते नरेंद्र मोदी



पहली बार करोड़ों गरीबों, वंचितों को उनका अधिकार सम्मानपूर्वक देकर मोदी जी ने उनमें आशा और विश्वास का भाव जगाया है। अमर बात करें जनजातीय समाज की तो आजादी के 70 वर्ष बाद भी उनको वो सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई थी जिसके वो हकदार थे। यहां तक कि देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त करने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले आदिवासी नायकों के योगदान को भी भुला दिया गया था। मगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार किसी सरकार ने गुमनाम आदिवासी नायकों की भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को सम्मान दिलाने के लिए टोस कदम उठाये और आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय स्थापित करने की घोषणा शुरुआत की है। पीएम नरेंद्र मोदी का संकल्प जनजातीय समाज को अन्य विकसित वर्गों के बराबर लाना है, इसलिए उनके मार्गदर्शन में केंद्र सरकार आदिवासी कल्याण और विकास की दिशा में निरंतर प्रयासरत है और इसके अत्यंत उत्साहजनक परिणाम देखने को मिले हैं। केंद्र सरकार अनुसूचित जनजातियों के कल्याण और विकास के लिए कई योजनाएं लागू कर रही हैं। पीएम मोदी ने जनजातीय समुदाय के हितों को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा। आजादी के लंबे दशक के बाद एक जनजातीय आदिवासी महिला का पहली बार राष्ट्रपति के रूप में पदस्थापित होना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

राष्ट्र-निर्माण एवं लोक कल्याण को समर्पित कर्मयोगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं द्वारा हजारों स्थानों पर जनसेवा एवं लोक कल्याण के 'सेवा पखवाड़ा' कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की प्रेरणा का स्रोत स्वयं प्रधानमंत्री का जीवन है, जो कि मानवता की सेवा और गरीब, दलित, शोषित, वंचित, पिछड़े, युवा एवं महिलाओं के कल्याण के प्रति समर्पित रहा है। 'सेवा पखवाड़ा' के तहत भाजपा का हर एक कार्यकर्ता देश के सभी जिलों में 'विचिंधिता में एकता' का उत्सव मनाते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का संदेश दे रहा है। पूरे देश में रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं जहाँ रक्तदाता

स्वेच्छ से रक्तदान के लिए पहुंच रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर देश भर में रक्तदान शिविर के आयोजन पर 87,137 से अधिक लोगों ने रक्तदान कर विश्व रिकार्ड स्वरूप उन्हें भेंट उपहार की। इससे पहले एक दिन में 86000 लोगों के रक्तदान का विश्व रिकार्ड था। पखवाड़े के तहत पार्टी द्वारा दिव्यांग-जनों के बीच कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण का वितरण किया जा रहा है, प्रधानमंत्री सभी वर्ग के लोगों का ध्यान रखते हैं उन्होंने 'दिव्यांग' नाम देकर दिव्यांगजनों का सम्मान बढ़ाया है। मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र की सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए बहुत सी योजनाएं शुरू की हैं जिनमें दीनदयाल विकलांग पुनर्वास योजना सहित कई ऐसी सरकारी योजना है जिसमें दिव्यांगों को कारोबार करने के लिए बिजनेस आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी जाती है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन कर सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें। स्वच्छता जीवन के लिए संजीवनी के समान है। सेवा पखवाड़े के तहत देशभर में कार्यकर्ता शहर से लेकर गांव तक स्वच्छता के संदेश के साथ सफाई अभियान चला रहे हैं। इसके माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और उन्हें जिम्मेदारी का एहसास कराना अभियान का लक्ष्य है। वर्ष 2014 में गांधी जयंती के दिन प्रधानमंत्री मोदी ने 'न गंदगी करूंगा, न करने दूंगा' के नारे से शुरू किए स्वच्छता अभियान के बाद से लोगों ने साफ-सफाई की तरफ नयी दृष्टि से देखा शुरू किया यह अपने आप में एक बड़ा बदलाव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025 तक भारत से टीबी के उन्मुलन का लक्ष्य रखा है। उनके इस संकल्प को पूरा करने के लिए जनसेवा की भावना के लिए सदैव तत्पर देश भर के कार्यकर्ताओं ने 'सेवा पखवाड़ा' में एक टीबी मरीज को उदर लेने के प्रण के साथ व्यक्तिगत रूप से उन मरीजों का ध्यान रखने, घर पर जाकर दवा देने और नियमित रूप से देखभाल करना सुनिश्चित कर रहे हैं जब तक कि वे टीबी मुक्त नहीं हो जाते। पखवाड़े में कार्यकर्ताओं ने देश के सभी जिलों/ ब्लॉकों तक में लक्ष्य की निर्धारण करते हुए वृक्षारोपण किया जा रहा है और लोगों में वृक्षारोपण और पर्यावरण के महत्व के बारे में जागरूकता की जा रही है, जिसमें सभी को अपने आसपास के पौधों का पोषण करने तथा परिवेश को सुंदर बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जल संरक्षण के लिए अमृत सरोवर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका कार्य पूरे देश में हो रहा है। अतः सेवा पखवाड़ा के तहत कार्यकर्ताओं द्वारा अमृत सरोवर पर श्रमदान किया जा रहा है। अंत में मैं सिर्फ यही कहूंगा 'सेवा पखवाड़ा' सिर्फ एक अभियान नहीं है, यह एक उत्सव है, उत्सव है सेवा का, यह उत्सव है समर्पण का, कर्तव्य का, जिस भाजपा का हर एक कार्यकर्ता प्रितिवद्धता के साथ मनाते हुए अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहा है। (लेखक : केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री सह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हैं।)

जमशेदपुर की खबरें

सिंहभूम फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने केक काट कर मनाया विश्व फार्मासिस्ट दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता
जमशेदपुर। सिंहभूम फार्मासिस्ट एसोसिएशन के द्वारा जुगसलाई राय फार्मा में विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया गया। रविवार को सिंहभूम फार्मासिस्ट एसोसिएशन के संयोजक विकास राय के द्वारा केक काटकर सभी फार्मासिस्टों को विश्व फार्मासिस्ट दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा आज के दिन पूरे विश्व में सभी फार्मासिस्टों के एकजुटता के लिए विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया जाता है। फार्मासिस्ट के बगैर स्वास्थ्य सेवाएं अधूरा रहता है। फार्मासिस्ट केवल दवा देने के लिए ही नहीं होता बल्कि दवा के बारे में संपूर्ण जानकारी उनको रहता है। उन्होंने



बताया फार्मासिस्टों के द्वारा वितरण प्रणाली एवं रखरखाव किया जाता है। मनुष्य के स्वस्थ जीवन के लिए फार्मासिस्ट का अहम योगदान रहता है। कार्यक्रम के दौरान विकास राय, अंजन

सरकार, दीपक शर्मा, मनी मोहंती, राजेश कुमार, जितेंद्र कुमार, पंकज कुमार, कृष्ण कुमार ज्ञानेंद्र सिंह, उपेंद्र सिंह, प्रदीप कुमार राउत, संतोष राय, जियाउद्दीन अंसारी उपस्थित थे।

अंताक्षरी प्रतियोगिता आयोजित

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन द्वारा आयोजित अग्रसेन जयंती समारोह के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन साकवी शाखा की ओर से रविवार की शाम अग्रसेन भवन साकवी में अंताक्षरी का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 14 टीमों ने भाग लिया, संघ्या 3 बजे से सेलेक्शन राउंड शुरू हुआ और इन 14 टीमों में से 4 टीमों का चयन फाइनल राउंड के लिए किया गया। इनमें टीम घूमर, मौरिया, गोरबंद, नखारालो शामिल है। अंताक्षरी का संचालन प्रेम अग्रवाल एवं चंचल काशवी की टीम ने किया। फाइनल के लिए चयनित चारों टीमों में अंताक्षरी प्रतियोगिता करायी गई, जिसमें विजेताओं को उपग्रह द्वितीय और तृतीय पुरस्कार बिहूपुर अर राउड स्थित खालसा क्लब में 26 सितंबर को संघ्या 5 बजे से आयोजित पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल के मुख्य कार्यक्रम में प्रदान किया जायेगा।

रेड क्रॉस सोसाइटी और श्री उत्कल दुर्गा पूजा कमेटी के संयुक्त शिविर में 54 यूनिट रक्त संग्रह नेत्र शिविर में 16 रोगियों की आंखों का ऑपरेशन और लेंस प्रत्यारोपण

आजाद सिपाही संवाददाता
जमशेदपुर। श्री उत्कल दुर्गा पूजा कमेटी कदमा द्वारा रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन जमशेदपुर ब्लाड बैंक में किया गया। इस अवसर पर 54 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। जातव्य हो कि पिछले कई वर्षों से श्री उत्कल दुर्गा पूजा कमेटी द्वारा शारदीय नवरात्र के प्रारम्भ में मानवता की सेवा के आयोजन के साथ मां दुर्गा के चरणों की सेवा में जुटते हैं। रेड क्रॉस सोसाइटी, पूर्वी सिंहभूम ऐसे सभी प्रयासों की सराहना करता है, जो मानवता सेवा की ओर जुड़ते हैं। रक्तदान शिविर में दुर्गा पूजा कमेटी के सदस्यों के साथ रेड



क्रॉस के कार्यकर्ताओं ने अपनी भूमिका निभायी। नेत्र शिविर में 16 रोगियों की आंखों का ऑपरेशन व लेंस प्रत्यारोपण नेत्र शिविर के माध्यम से जरूरतमंदों के आंखों का ऑपरेशन कर उनकी आंखों की रौशनी वापस देना, उन्हें दुनिया देने के बराबर है और यह काम

यहां बहुत ही बेहतरीन तरीके से हो रहा है, उक्त विचार जेसीपीसीपीएल के पदाधिकारी धर्नजय कुमार शर्मा ने यहां नेत्र शिविर के ऑपरेशन सत्र का उद्घाटन ऑपरेशन थियेटर का फीता काटकर करने के पश्चात व्यक्त किया। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी, पूर्वी सिंहभूम के

मानद सचिव विजय कुमार सिंह के साथ, राम मनोहर लोहिया सेवा संस्थान के अध्यक्ष बालमुकुंद गोयल, समाजसेवी चंद्रमोहन सिंह, कमल किशोर लड्डा, राकेश मिश्र मुख्य रूप से उपस्थित थे। नेत्र चिकित्सक डॉ बीपी सिंह, डॉ भारती शर्मा, डॉ पुनम सिंह एवं उनके सहयोगी चिकित्सीय टीम ने 16 नेत्र रोगियों का ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण किया। सोमवार को ऑपरेशन कराये नेत्र रोगियों के आंखों की पट्टी खोलकर अंतिम जांच की जायेगी, जिसके पश्चात आवश्यक दवा एवं चर्मा प्रदान कर नेत्र रोगियों को विदा किया जायेगा।

चेनाब रोड दुर्गा एवं काली बाड़ी में इस बार शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में होंगे कई आयोजन 'डाक एर साज' की होगी मां दुर्गा की प्रतिमा

आजाद सिपाही संवाददाता
जमशेदपुर। जमशेदपुर के साकवी चेनाब रोड दुर्गा व काली बाड़ी इस बार अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इसके तहत मंदिर कमेटी के द्वारा भव्य आयोजन किया जायेगा। उक्त जानकारी मंदिर कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार भट्टाचार्य ने संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि इस पूजा का आयोजन सर्वप्रथम 1923 साल में कालीमाटी (वर्तमान में बंगाल क्लब मैदान के सामने) के मैदान में शुरू हुआ था, जिसके कुछ वर्ष बाद टाटा स्टील द्वारा कमेटी को चेनाब रोड में दुर्गा पूजा के लिए जमीन दी गई। उसके बाद से चेनाब रोड में ही दुर्गा पूजा होती आ रही है। मंदिर कमेटी के महासचिव शान्तनु बोस ने बताया कि इस वर्ष शताब्दी वर्ष



के उपलक्ष्य में देवी दुर्गा की मूर्ति 'डाक एर साज' की होगी। चेनाब रोड दुर्गा बड़ी में हर साल की भांति इस बार भी विशुद्ध सिद्धांत के तहत पूजा आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि तीन दिन कमेटी

के द्वारा भोग वितरण किया जाएगा। महासप्तमी, महाअष्टमी एवं महानवमी की संघ्या में कोलकाता व जमशेदपुर के कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा।

साथ ही मंदिर में आकर्षक विद्युत सज्जा की जायेगी। शताब्दी वर्ष पूजा का उद्घाटन षष्ठी के दिन रामकृष्ण मिशन एवं भारत सेवाश्रम संघ के महाराज एवं जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरुण महतो के द्वारा किया जायेगा। इस वर्ष मंदिर कमेटी के सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र दे कर सम्मानित किया जायेगा।

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के नये प्रदेश अध्यक्ष के रूप में अवधेश कुमार (एके) श्रीवास्तव का निर्वाचन हुआ। वे आगामी तीन वर्षों तक इस पद में रहेंगे। उनके नामांकन के बाद किसी ने भी उनके विरुद्ध नामांकन नहीं किया। श्री श्रीवास्तव के निर्वाचित होने की घोषणा प्रदेश चुनाव समिति के संयोजक अभय कुमार सिन्हा ने की, इस अवसर पर सोनारी स्थित चित्रगुप्त भवन में महासभा के राष्ट्रीय, प्रदेश व जिला के कई पदाधिकारियों ने अभिनंदन भी किया। कार्यक्रम का संचालन अजय श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर अन्य विशिष्ट अतिथियों में महासभा के मनोज कुमार अतुल, सुबोध श्रीवास्तव,



प्रणय कुमार, ज्ञान सिन्हा व अन्य उपस्थित थे। अपने संबोधन में नवनर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष एके श्रीवास्तव ने कहा कि पूर्व के उनके कार्यकाल में सभी पदाधिकारियों का साथ मिला तथा केंद्रीय कमेटी द्वारा तय कार्यक्रम करने में सहयोग मिला।

उन्होंने कहा कि चित्रगुप्त भवन में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद की प्रतिमा स्थापित की गई है, जल्द ही जय प्रकाश नारायण (जेपी) की प्रतिमा भी लगायी जायेगी। भविष्य के भावी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें समाज कल्याण

के क्षेत्र में कार्य करने के साथ साथ राजनीति में भी सक्रियता बढ़ानी होगी एवं युवा और महिला शक्ति को मजबूत बनाना होगा। अन्य अतिथियों ने भी सामाजिक एकजुटता पर बल दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ मनोज सिन्हा, बसंत श्रीवास्तव, कल्याणी शरण, प्रीति सिन्हा, मंजू सिन्हा, शोभा श्रीवास्तव, अतुल चंद्र, आलोक सिन्हा, शशांक शेखर, संजीव सिन्हा, अजय वर्मा, श्याम बिहारी लाल, मिथिलेश श्रीवास्तव, नागेंद्र प्रसाद, शैलेंद्र कुमार, अजय कुमार श्रीवास्तव, संजय करण, उपेंद्र शरण आदि का सहयोग रहा। धन्यवाद ज्ञापन महासभा के जिलाध्यक्ष अतुल रंजन ने किया।



राष्ट्रपति ने सोआ के प्रतीक दास को दिया 'राष्ट्रीय एनएसएस पुरस्कार'

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। शिक्षा 'ओ' अनुसंधान (सोआ) डीमड टू बी यूनिवर्सिटी के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक प्रतीक दास ने शनिवार को नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रीय एनएसएस पुरस्कार प्राप्त किया। श्री दास जिन्हें पहले राज्य में सर्वश्रेष्ठ एनएसएस स्वयंसेवक चुना गया था, उनको कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई के हिस्से के रूप में कोविड-19 वैक्सीन के बारे में जागरूकता पैदा करने में उनकी असाधारण सेवा के लिए सम्मान के लिए चुना गया था। उनके काम के सम्मान में



श्री दास को एक पदक के साथ एक लाख रूपए प्रदान किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद श्री दास ने कहा कि मुझे यह सम्मान दिए जाने पर मैं बेहद खुश हूँ और यह मुझे समाज की ओर अधिक सेवा करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इस अवसर पर केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर, केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के राज्य मंत्री निशिथ पटनायक, युवा मामलों के सचिव संजय कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। प्रो (डॉ) अमित बनर्जी सोआ के प्रो-चांसलर और प्रतीक के पिता चित्तरंजन दास भी समारोह में शामिल थे।

धनवार में पं दीनदयाल उपाध्याय की 106वीं जयंती मनायी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

राजधनवार। जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 106वीं जयंती धनवार विधानसभा क्षेत्र के बुधरनी उल्कमित मध्य विद्यालय के बूथ नंबर 238 तथा धनवार के भाजपा कार्यलय बरजो में धूमधाम से मनायी गयी। भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह के नेतृत्व में भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पंडित उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दुरुवाया। इस क्रम में श्री सिंह ने बृहत् संख्या 238 पर कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात भी सुनी। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय



भाजपा नेता लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। जनसंघ की नींव वर्ष 1951 में रखी तथा 1967 तक जनसंघ के अध्यक्ष का प्रभार भी संभाला। भाजपा नेता लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने कहा कि छात्र जीवन से ही पूरा जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया था और एकात्म मानववाद तथा अंत्योदय पर विशेष जोर दिया था। एकात्म मानववाद तथा अंत्योदय के विचारों के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने आप में एक विचारधारा थे। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का विकास ही उनका सपना था। मौके पर मंडल महामंत्री श्रीकांत राय, उदय सिंह, नंदलाल साव, इंद्र पाठक, संतोष पासवान, श्याम कुमार सिंह, रामचंद्र वर्मा, पुष्प सिंह, भीखन साव, राजू पांडेय, सुधीर तिवारी, दामोदर राय, संजय कुमार यादव, मनोज कुमार राय आदि कई मौजूद थे।

सास में सोआ के संकाय सदस्य सम्मानित

असित त्रिपाठी फिर चुने गये भुवनेश्वर क्लब के अध्यक्ष

एनटीपीसी कोयला खनन में हिंदी पखवाड़ा-भाषण प्रतियोगिता हुई

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। डॉ उमेश चंद्र परिड मुख्य अस्पताल प्रशासन विभाग शिक्षा और अनुसंधान संकाय (सोआ) प्रबंधन विज्ञान संकाय और डॉ ऑरोलिपी एसोसिएट प्रोफेसर तथा इंस्टिट्यूट ऑफ चिकित्सा विज्ञान और सम हस्पताल के क्वालिटी विभाग के मुख्य को शनिवार को यहां आयोजित अस्पताल प्रबंधन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया गया।



कार्यशाला सेफ सस्टेनेबल हॉस्पिटल्स (सास)-2022 शनिवार से शुरू हो गयी है। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों और अस्पतालों के 500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा के पूर्व मुख्य सचिव असित त्रिपाठी भुवनेश्वर क्लब के अध्यक्ष चुने गये। पूर्व मुख्य प्रशासनिक सचिव असित त्रिपाठी लगातार दूसरी बार भुवनेश्वर क्लब के अध्यक्ष चुने गये हैं। उन्हें 81.5 फीसदी वोट मिले उनके साथ उनके फैलन ने भी जीत हासिल की है। इसी तरह वरिष्ठ प्रशासक दिलिप राउतराय को संपादक और अशोक मिश्र को संयुक्त संपादक चुना गया है। अध्यक्ष का चुनाव जीतने के बाद असित त्रिपाठी ने कहा कि हमारी टीम को पिछले



साल क्लब के विकास कार्यों के लिए वोट दिया गया है। संपादक चुने गये आइएएस अधिकारी फिलिप राउतराय ने कहा कि यह हमारे अध्यक्ष की जीत है। भुवनेश्वर क्लब के संपादक ने कहा कि पिछले एक साल में क्लब का आंतरिक विकास, क्लब का परिवर्तन हुआ है।

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय, रांची में 14 से 29 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। हिंदी पखवाड़ा के तहत इसके कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों (महिलाओं और बच्चों) के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इस संबंध में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए स्वयंसेवक महिला क्लब के सदस्यों के लिए भारत में महिला सर्जिकलर विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई। सुनील सिंह बादल, वयोवृद्ध पत्रकार सह लेखक और के श्रीनिवास मूर्ति,



महाप्रबंधक एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय, रांची प्रतियोगिता के निर्णायक थे। इस अवसर पर सुनील सिंह बादल ने महात्मा गांधी के अनुसार कहा कि राष्ट्रीय भाषा वह हो सकती है, जो सभी के लिए आसान और सुलभ हो, जो धार्मिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में मध्यम भाषा बनने की शक्ति रखती हो, जो बहुसंख्यक समाज द्वारा बोली जाती है, जो पूरे देश की भाषा है। के श्रीनिवास मूर्ति ने सभा को संबोधित करते हुए हिंदी पखवाड़ा के महत्व और संचार की एक आम भाषा के रूप में हिंदी के उपयोग को साझा किया। हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण 29 सितंबर को होगा।

पीएम मोदी ने मन की बात में किया ऐलान शहीद-ए-आजम के नाम पर होगा चंडीगढ़ एयरपोर्ट

मगत सिंह के जन्मदिवस पर 28 सितंबर को होगी घोषणा



आजाद सिपाही संवाददाता
चंडीगढ़। चंडीगढ़ इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम अब शहीद भगत सिंह के नाम पर ही रखा जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर ही रखा जायेगा। 28 सितंबर को भगत सिंह के जन्मदिन पर इसकी आधिकारिक घोषणा की जायेगी। चंडीगढ़ एयरपोर्ट के नाम को लेकर पंजाब और हरियाणा के बीच लंबे समय से खींचतान चलती रही है। पंजाब सरकार तर्क देती रही है कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट के लिए मोहाली की जमीन ली गयी है, इसलिए इसका नाम उसकी मर्जी से रखा जाना चाहिए। दूसरी ओर हरियाणा सरकार दावा करती रही है कि यह एयरपोर्ट

पंचकुला से भी लगता है, इसलिए उसका भी इस पर दावा बनता है। दोनों राज्यों के इन तर्कों के बीच अभी तक एयरपोर्ट को चंडीगढ़ एयरपोर्ट के नाम से ही पुकारा जाता रहा है।

DR. SWATI'S CLINIC
Dental & Health Care

RCT IMPLANT FIXED TEETH
COMPLETE DENTURE ORTHODONTIC TREATMENT

FOR APPOINTMENT CALL
7857930138 / 8235075755

Dr. Swati Prabhat
Dental Surgeon

Laxmi Tower, H.B. Road, Near Sadhu Maidan, Ranchi

Sontosh Kumar
75037 29696
92056 24569

S M TOY & School Furnituer

Old Bank Colony, RMCH, Near Sadhu Maidan
Shop Add.: Industrial Area Kokar, Ranchi-834001 (Jharkhand)
Everything From A to Z for School, Playground, Playschool Park, Playzone, Mails, Backyard, Recreation Zone, Society & Anganwadis

RATNA SAGAR
WHOLESALE & RETAIL

CERTIFIED GEMS
ORIGINAL RUDRAKSH
FENGSHU ITEM

SALE
SUNDAY OPEN

ASTROLOGY 50%
RUDRAKSHA 30%
GEMS 20%
VASTU ARTICLE 20%
CITI GOLD JEWELLERY 20%
DISCOUNT

Panhwati Plaza, Shop No. 9A, Ground Floor, Kutchery Road, Ranchi (Jharkhand)
Near Wool House, Main Road, RANCHI (Jharkhand)
9973684103, 8877660111

प्रभात कम्प्यूटर एजुकेशन

ADCA DCA DTP PYTHON
CC++ PHOTOSHOP JAVA TALLY ERP-9
TYPING

2ND FLOOR, CIRCULAR ROAD, 215B, HARIOM TOWER RD, RANCHI

study MBBS in ABROAD
RUSSIA GEORGIA POLAND EGYPT
KAZHAKASTAN UZBEKISTAN

Get Direct Admission in
Top Government Medical Universities
of ABROAD.

Call Now!
+91-7903149721 www.universityfly.com

ज्योतिष ग्रहरत्न केन्द्र

ज्योतिष शास्त्र • वास्तु शास्त्र • हस्त रेखा शास्त्र • अंक शास्त्र

पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, ऑपोजिट भुतपुरव बरगोन बाजार, रांची
फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761

LOOKING FOR ONE STEP SOLUTIONS FOR EQUIPMENTS AT A JOB SITE?

EDAMRU HIRING SOLUTIONS PRIVATE LIMITED

CONTACT US
Add: 109, 1st Floor, Mangal Tower
Kantatoli, Ranchi, Jharkhand, Pin-834001
916202140626
inquiry@edamru.com

www.edamru.com

वर्मा प्रेस प्रा0 लि0 राँची

Verma's Today
शुंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—
Based on JCERT

Class - VIII	Classes VI & VII
* Class VIII Today (Combined) ₹ 250	* Class VII Today (Combined) ₹ 240
* Class VIII Today (English Medium) ₹ 280	* Class VI Today (Combined) ₹ 240
* Mathematics Practical ₹ 60	* Hindi Vyakaran-I ₹ 60
* Science Practical ₹ 60	* English Grammar-I ₹ 60
* S. Science Practical ₹ 60	* English Grammar-II ₹ 60
* Hindi Vyakaran-I ₹ 60	* Sanskrit Vyakaran-I ₹ 50
* English Grammar-I ₹ 60	
* Sanskrit Vyakaran-I ₹ 50	

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!

अविराम ए ग्रुप ऑफ इंस्टीटयुशंस
(मान्यता एवं संबद्धता रांची वि.वि., जैक, एनपीयू, पी.सी.आई., JSPC, JNRC एवं चिह्नित NCTE भुवनेश्वर उड़ीसा)

टिको, कुडू, लोहरदगा एवं हुटाप, चंदवा, लातेहार (झारखंड)

इंटर एवं स्नातक पास बालक/बालिकाएं शोध प्रवेश ले एवं B.ed के अतिरिक्त अन्य में सीधे प्रवेश हेतु आवेदन करें

झारखंड स्टेट एवं रांची विश्वविद्यालय में टॉपर देने वाले संस्थान में प्रवेश का सुनहरा अवसर

ए.एन.एम A.N.M	डी.फार्मसी D.Pharmacy	बी.एड. B.Ed.	बी.एस.सी. नर्सिंग B.Sc Nursing	डी.एल.एड D.El.Ed
-------------------------	---------------------------------	------------------------	--	----------------------------

FACILITIES : SCHOLARSHIP ♦ BUS & HOSTEL FACILITY
♦ CAMPUS PLACEMENT ♦ WELL EQUIPPED LAB ♦ ONLINE ADMISSION PAYMENT & ONLINE CLASS FACILITY

URGENT REQUIREMENT

- ♦ B. Sc Nursing/ M.Sc Nursing Pass
- ♦ D. Pharma/ B. Pharmacy Pass
- ♦ B.Ed & M.ed in (Science/Literature Social Science)

Send resume within 3 days in 7782054270

संपर्क कीजिए: 7782054270, 8987470640 | www.aviramcollege.com, www.aviramcollegeofnursing.com, bedcollege2011@gmail.com/aviram.gv@gmail.com